an>

Title:Regarding access to handicapped compartment of Mumbai local trains for dialysis patients.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं शून्य काल में अत्यंत महत्वपूर्ण विÂाय उठाना चाहता हूं। आज कल किडनी फेल्यर के मरीजों की संख्या बहुत बढ़ रही है।...(व्यवधान) पिछले 15 सालों में यह संख्या दुगनी हो गई है। इनमें 20 परसेंट मरीज गरीबी रेखा के नीचे हैं। मुम्बई रेल में कैंसर से पीड़ित मरीजों और डिसएबल्ड लोगों के लिए एक कोच डेडिकेटिड रखा गया है।...(व्यवधान) किडनी फेल्यर मरीजों का डायलिसिस होता है और चार घंटे डायलिसिस के बाद मरीज इतने कमजोर हो जाते हैं कि वे रेल में सफर नहीं कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उनको इस कम्पार्टमेंट में यातायात करने की अनुमति देने की मांग मैं इस शून्य पूहर में कर रहा हूं। ...(व्यवधान) रेल मंत्री जी से और रेल के अधिकारियों से मेरी प्रार्थना है कि मुम्बई जैसे शहरों में लोकल ट्रेन में आपने जो हैंडीकैप्ड और केंसर पैशेंट्स के लिए डेडीकेटेड कम्पार्टमेंट रखा है, उसी में किडनी के पेशेंट्स को भी यातायात करने की अनुमति दी जाए।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Nishikant Dubey,

Dr. Kirit P. Solanki and

Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by Shri Arvind Sawant.

...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Harinarayan Rajbhar – Not present.